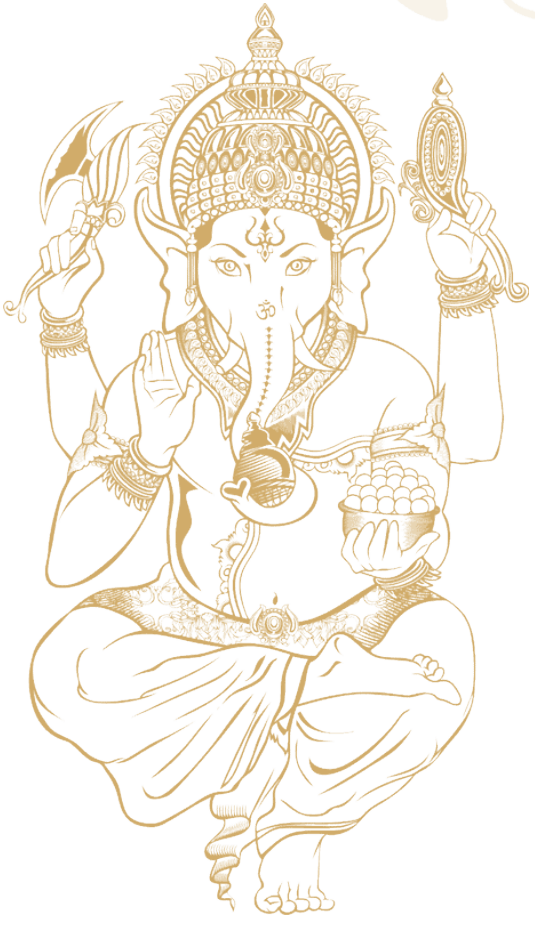

Sweta Dubey

19 Oct 1999

05:00 AM

Bandra

Model: web-freekundliweb

Order No: 121635202

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**18-19/10/1999**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**05:00:00 घंटे**
इष्ट	56:05:33 घटी
स्थान	**Bandra**
राज्य	Maharashtra
देश	India

अक्षांश	19:03:00 उत्तर
रेखांश	72:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:38:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:21:20 घंटे
वेलान्तर	00:14:44 घंटे
साम्पातिक काल	06:09:22 घंटे
सूर्योदय	06:33:46 घंटे
सूर्यास्त	18:13:59 घंटे
दिनमान	11:40:12 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	01:17:18 तुला
लग्न के अंश	08:22:02 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 2**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	शूल
करण	कौलव
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खू-खुशी
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	08:22:02	342:09:24	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	---
सूर्य			तुला	01:17:18	00:59:35	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	नीच राशि
चंद्र			मक	16:30:52	12:26:00	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	सम राशि
मंगल			धनु	07:31:57	00:43:27	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	मित्र राशि
बुध			तुला	24:43:22	01:12:23	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	मित्र राशि
गुरु	व		मेष	06:43:34	00:08:04	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	राहु	मित्र राशि
शुक्र			सिंह	15:22:23	00:53:21	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
शनि	व		मेष	21:18:16	00:04:23	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	नीच राशि
राहु	व		कर्क	15:57:37	00:00:02	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	शत्रु राशि
केतु	व		मक	15:57:37	00:00:02	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	19:01:12	00:00:13	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
नेप			मक	07:44:39	00:00:10	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
प्लूटो			वृश्चि	14:52:10	00:01:49	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			मिथु	08:17:45	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:00

लग्न-चलित

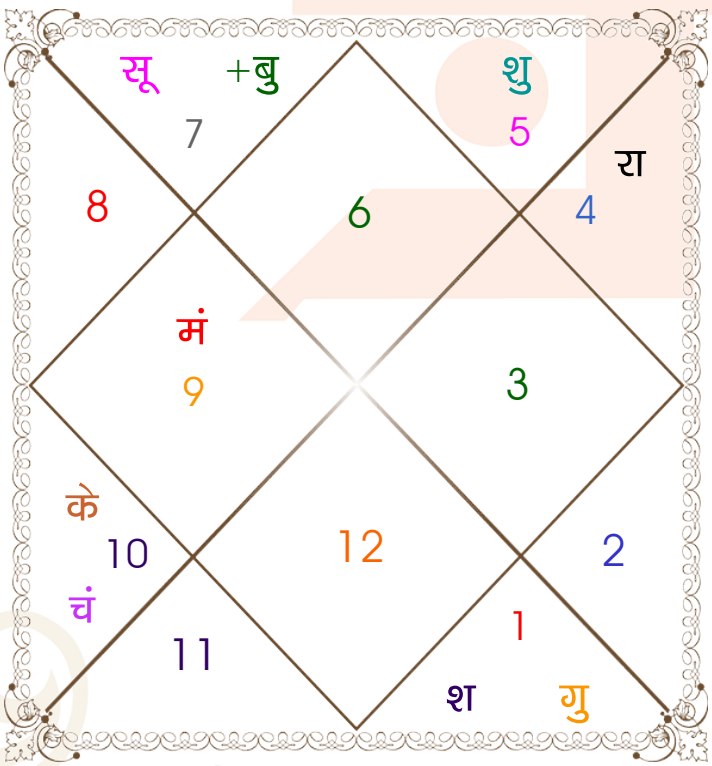

चन्द्र कुंडली

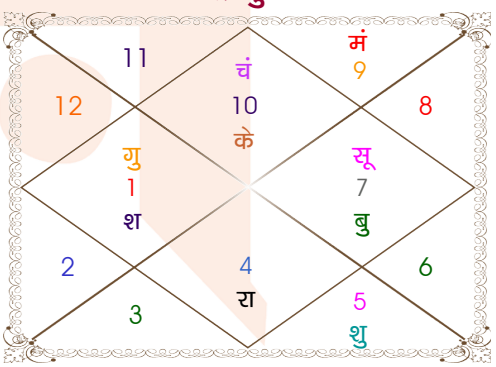

नवमांश कुंडली

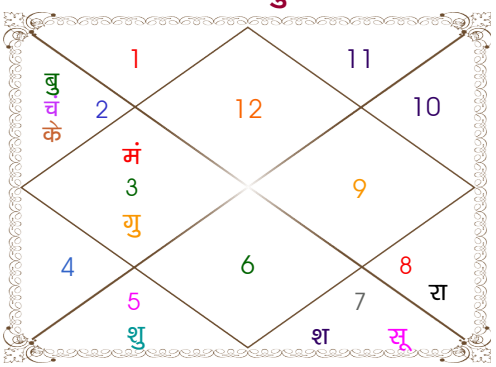

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 5 वर्ष 1 मास 11 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
19/10/1999		29/11/2004		29/11/2011		29/11/2029		29/11/2045	
29/11/2004		29/11/2011		29/11/2029		29/11/2045		29/11/2064	
	00/00/0000	मंगल	27/04/2005	राहु	12/08/2014	गुरु	17/01/2032	शनि	02/12/2048
	00/00/0000	राहु	15/05/2006	गुरु	04/01/2017	शनि	30/07/2034	बुध	12/08/2051
	00/00/0000	गुरु	21/04/2007	शनि	11/11/2019	बुध	04/11/2036	केतु	20/09/2052
	19/10/1999	शनि	30/05/2008	बुध	31/05/2022	केतु	11/10/2037	शुक्र	20/11/2055
शनि	29/09/2000	बुध	27/05/2009	केतु	18/06/2023	शुक्र	11/06/2040	सूर्य	01/11/2056
बुध	28/02/2002	केतु	23/10/2009	शुक्र	18/06/2026	सूर्य	30/03/2041	चंद्र	03/06/2058
केतु	29/09/2002	शुक्र	23/12/2010	सूर्य	13/05/2027	चंद्र	30/07/2042	मंगल	12/07/2059
शुक्र	30/05/2004	सूर्य	30/04/2011	चंद्र	10/11/2028	मंगल	06/07/2043	राहु	18/05/2062
सूर्य	29/11/2004	चंद्र	29/11/2011	मंगल	29/11/2029	राहु	29/11/2045	गुरु	29/11/2064

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
29/11/2064		29/11/2081		29/11/2088		30/11/2108		30/11/2114	
29/11/2081		29/11/2088		30/11/2108		30/11/2114		00/00/0000	
बुध	27/04/2067	केतु	27/04/2082	शुक्र	30/03/2092	सूर्य	19/03/2109	चंद्र	01/10/2115
केतु	23/04/2068	शुक्र	27/06/2083	सूर्य	30/03/2093	चंद्र	18/09/2109	मंगल	01/05/2116
शुक्र	22/02/2071	सूर्य	02/11/2083	चंद्र	29/11/2094	मंगल	24/01/2110	राहु	30/10/2117
सूर्य	30/12/2071	चंद्र	02/06/2084	मंगल	29/01/2096	राहु	18/12/2110	गुरु	01/03/2119
चंद्र	30/05/2073	मंगल	29/10/2084	राहु	29/01/2099	गुरु	07/10/2111	शनि	20/10/2119
मंगल	27/05/2074	राहु	17/11/2085	गुरु	30/09/2101	शनि	18/09/2112		00/00/0000
राहु	14/12/2076	गुरु	24/10/2086	शनि	30/11/2104	बुध	25/07/2113		00/00/0000
गुरु	22/03/2079	शनि	02/12/2087	बुध	01/10/2107	केतु	30/11/2113		00/00/0000
शनि	29/11/2081	बुध	29/11/2088	केतु	30/11/2108	शुक्र	30/11/2114		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 5 वर्ष 0 मा 28 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के चत्तुर्थ चरण में कन्या राशि के लग्नोदय काल हुआ था। ज्योतिषीय स्वरूप से आपके जन्मलग्न के समय मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस समन्वित ज्योतिषीय प्रभाव से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आप मात्र धन सम्पति प्राप्त करने के लिए अभिलाषी नहीं है। बल्कि आपकी अभिरूचि धार्मिक भी है। इस अध्यात्मिक झुकाव के परिणाम स्वरूप आप अनेक तीर्थ स्थानों का परिदर्शन करेंगी।

आप निश्चित रूप से कठिन श्रम के प्रति समर्पित प्राणी हैं। फलस्वरूप आप धनी सुखी और सम्पत्तिवान प्राणी होंगी। इस समर्पण की भावना से आप बहुत कुछ कर गुजारने हेतु प्रस्तुत है। जैसे जो आपको आवश्यकता पड़ने पर आपकी मदद किया है आप उनको भी अपनी मिथ्याचारी भावना से धोखा दे सकती हैं।

आप प्रेरित होकर सही दिशा में चलते रहेंगी। ग्रह के योग यह प्रदर्शित करते हैं कि आप को अपने जीवन के उत्थान पतन का अच्छा अनुभव प्राप्त होगा। लेकिन आप पूर्व समय की अकर्मण्यता को त्याग कर अपने समय का सदुपयोग सामान्य ज्ञान के आधार पर आपनी स्पन्दित आदतों को त्याग सकती हैं। आप अपनी योजना एवं कार्यकलाप के सम्बन्ध में सावधानी पूर्वक कार्यारम्भ के पूर्व निर्णय लेकर पुनः कार्यारम्भ करे तो श्रेयष्कर होगा। दूसरी बात यह है कि आप कन्या राशीय स्वभाव के अनुसार कार्य प्रारम्भ करते समय ही निर्णय लेती है और कार्य के पीछे पड़ जाती है। आपके उद्देश्य के अनुसार प्रथम रीति के अनुसार ही कार्य करना उत्तम विद्या है।

आप बुद्धिमान स्तर की प्राणी है। अतएव आप दूसरों की गलती को उजागर करती हैं। यह बिन्दु दूसरों के लिए क्रोध उत्पन्न कराने वाला कष्टप्रद होता है। आप अपने मित्रों के साथ भी सौदेबाजी करती हैं। इस परिस्थिति में कुछ लोग आपके शत्रु होकर आपकी व्यवस्था को अस्त व्यस्त कर आपके विरुद्ध न्यायालय में भी कोई बयान दे सकते हैं। आप इस प्रकार की आकस्मिक आपदा में धैर्य धारण करने की शिक्षा ग्रहण करें।

इस प्रकार अपनी प्रवृति में बदलाव लाना आपके लिए कठिन साध्य है। आपके लिए अच्छा कार्य व्यवसायों में औडिट, परीक्षक, अथवा आय से सम्बन्धित ऑफिस कार्य करना उपयुक्त है। आप उत्तम व्यवसाय हेतु लेखा निरीक्षक का कार्य कर सकती हैं क्योंकि आप में वाणिज्य-व्यवसाय करने की प्रतिभा है।

यदा-कदा आप अपने धन का निवेश व्यावसायिकी सट्टेबाजी या शेयर प्राप्ति में व्यय कर सकती हैं। आपके लिए धीरे-धीरे चलना उत्तम है बल्कि आपके द्वारा किया गया धन निवेश की वापसी यदा कदा बहुतायत अंश में होगा।

आप अपने घर परिवार के लिए बहुत भाग्यशाली हैं। आप के प्यारे पति भगवान की देन प्रमाणित होंगे। उनके द्वारा आपको अच्छी सन्तान की प्राप्ति होगी जों अपने जीवन में

अच्छी तरह सुव्यवस्थित हो जाएंगे। इसलिए आपका अपनी वासनात्मक प्रवृति के प्रति बदलाव लाना अच्छा होगा। ताकि आप अन्य के साथ शारीरिक सम्बंध स्थापित न करे। अन्यथा आप इस प्रकार कामुक प्राणियों में विख्यात हो जाएंगी।

आप निःसंदेह दीर्धायु होकर बहुत दिनों तक उत्तम स्वास्थ्य का आनन्द प्राप्त करेंगी। परन्तु आपके अधिक कामुक हो जाने पर रोग के प्रभाव से आपका शारीरिक ह्रास हो जाएगा तथा आप पीठ की हड्डियों के कष्ट तथा रक्तचाप के रोग से अक्रान्त हो सकती हैं। यदि आप प्रारम्भिक अवस्था से उत्तम अंगीकृत करें। अपने आहार व्यवहार को नियंत्रित रखें तो शाकाहार ग्रहण करें एवं मद्यपाण का त्याग कर दें तो आपका स्वास्थ्य उत्तम तथा बहुत अच्छा रहेंगा।

आपका भाग्यशाली अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक है तथा आपके लिए उत्तम है।

आपके जीवन में रंग प्रदर्शन का बड़ा भाड़ी महत्त्व है। आपके लिए उत्तम रंग सफेद, सुआपंखी, पीला एवं हरा रंग अनुकूल एवं फलदायी है। आपको रंग लाल, नीला एवं काले रंग का परित्याग कर देना चाहिए क्योंकि ये रंग आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।